सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 271 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 15 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सोनम की बिगड़ी तबीयत, 18 दिन से भूख हड़ताल पर हैं वांगचुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक भूख हड़ताल को लेकर चर्चा में हैं। यह पहला मौका नहीं है जब वांगचुक किसी मुद्दे को लेकर अनशन पर बैठे हों, न ही सोनम वांगचुक पहले सामाजिक कार्यकर्ता भी नहीं हैं जो इस तरह की हड़ताल कर रहे हैं। भारत में ऐसे कई आंदोलन हुए हैं। भूख हड़ताल को सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का बड़ा लोकतांत्रिक माध्यम माना जाता रहा है। सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। यह उनके भूख हड़ताल को 18 दिन हो चुके हैं। वे कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक के समर्थन में अनशन पर बैठे हैं। पार्टी संस्थापक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि मई में हुई परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्र प्रभावित हुए।

वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका शरीर लगातार कमजोर हो रहा है, मांसपेशियों में दर्द है और उनका वजन 8.5 किलोग्राम कम हो चुका है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 दर्ज किया गया है। हजारों समर्थक उनसे अनशन समाप्त करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन वह अपने फैसले पर अडिग हैं।

यह पहली बार नहीं है जब वांगचुक ऐसी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इससे पहले भी वह लद्दाख बचाओ आंदोलन के तहत दो बड़े अनशन कर चुके हैं। वांगचुक ने 6 मार्च 2024 से शून्य से नीचे तापमान में 21 दिन का 'क्लाइमेट फास्ट' किया था। इसके बाद अक्तूबर 2024 में उन्होंने 16 दिन की एक और भूख हड़ताल की। उनकी प्रमुख मांगें थीं कि लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए और क्षेत्र के पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हालांकि उनकी मांग पूरी नहीं हुई।

पुलिस विभाग में फेरबदलः 16 निरीक्षक व उपनिरीक्षकों के तबादले

बीजापुर। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीजापुर ने पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से 16 निरीक्षक और उपनिरीक्षकों का आगामी आदेश तक अस्थायी स्थानांतरण किया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेन्द्र कुमार यादव ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षक मुकेश कुमार पटेल को बीजापुर से थाना प्रभारी भोपालपटनम की जिम्मेदारी दी गई है। जीवन लाल जांगड़े को भोपालपटनम से थाना प्रभारी भद्राकाली के पद पर स्थानांतरित किया गया है। विनोद लकड़ा को डीआरजी से थाना प्रभारी बासागुड़ा बनाया गया है, जबकि दीपक साहू बासागुड़ा से थाना प्रभारी नैमेड़ नियुक्त हुए हैं।

निरीक्षक विवेकानंद पटेल को उसूर से थाना प्रभारी नेलसनार का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, निरीक्षक जयसिंह खुटे को उसूर से नक्सल सेल का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक भोजराज भोई को डीआरजी से साइबर सेल की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। बलदेव प्रसाद बांधे को डीआरजी से थाना प्रभारी तरलागुड़ा का कार्यभार सौंपा गया है।

छत्तीसगढ़ में फिर सक्रिय होगा मानसून, कई जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुछ दिनों की गर्मी और उमस के बाद मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग ने 15 जुलाई से प्रदेश में मानसूनी गतिविधियों के तेज होने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही कई जिलों में बारिश, तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। फ्लिहाल राज्य में सामान्य से करीब 29 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

मंगलवार को अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा, जिससे लोगों को उमस और गर्मी का सामना करना पड़ा। बिलासपुर में दिन का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राजनांदगांव और पेंड्रा रोड में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे लगे बांग्लादेश तट पर नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम में बदलाव आएगा और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की स्थिति बनेगी। उत्तर छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

राजधानी रायपुर में सुबह से बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी ने मौसम को सुहावना बना दिया। बुधवार को भी शहर में बादल छाए रहने, गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने सुकमा, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में तेज हवाओं, गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश की संभावना है। वहीं रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद, बालोद, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, कोरबा, कबीरधाम, बेमेतरा, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरिया सहित कई अन्य जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने तथा प्रशासन द्वारा जारी सलाह का पालन करने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी का हुआ 'प्रमोशन', लोगों में खुशी और जश्न का माहौल

राजिम की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी, बना नगर पालिका, राज्य शासन ने जारी की अधिसूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने गरियाबंद जिले की धार्मिक नगरी राजिम के नागरिकों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग को पूरा करते हुए राजिम नगर पंचायत का दर्जा बढ़ाकर नगर पालिका कर दिया है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी। जिसमें बताया गया कि राजिम नगर पंचायत की वर्तमान सीमाएं ही नवगठित नगर पालिका की सीमाएं होंगी। सरकार के इस निर्णय से राजिम में शहरी विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ही नागरिक सुविधाओं के विस्तार और आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। राज्य शासन के इस निर्णय से पूरे शहर में खुशी एवं उत्साह का वातावरण है।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने राजिम नगर पंचायत के नगर पालिका के रूप में उन्नयन पर कहा कि राज्य शासन के इस निर्णय से राजिम के सुनियोजित विकास को नई दिशा मिलेगी तथा शहरी सुविधाओं के विस्तार के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे राजिम में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, उद्यान, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं के विकास को और ज्यादा गति मिलेगी। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से नगरवासियों तक पहुंचेगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताए नगर पालिका बनने के फायदे

साव ने कहा कि नगर पालिका का दर्जा मिलने से राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न शहरी विकास योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी ढंग से नगरवासियों तक पहुंच सकेगा। राज्य सरकार के इस निर्णय के बाद राजिम क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है।

योजनाओं का फायदा अधिक प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचेगा

इस बारे में जानकारी देते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'राजिम नगर पंचायत की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी कर नगर पालिका के रूप में उन्नयन किया है। इससे नगर में विकास कार्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार बेहतर ढंग से हो सकेगा। राज्य एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक प्रभावी तरीके से आमजन तक पहुंचेगा। इस बड़ी सौगात के लिए समस्त राजिमवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।'

हादसाः तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, तीन की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

यह हादसा धरमजयगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत खम्हार चौक के पास हुआ। सुबह करीब 7 बजे कार चालक ने बाइक सवारों को टक्कर मारी। बाइक सवार तीनों युवक ग्राम बिहामाटी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वे सड़क पार कर चौक के पास स्थित होटल जा रहे थे। इसी दौरान यह दुखद घटना हुई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। बेहतर इलाज के लिए उन्हें धरमजयगढ़ अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज में कार चालक बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ता दिख रहा है।

पिछले साल भी हुआ था हादसा

धरमजयगढ़ के चाल्हा मोड़ के पास पिछले साल नवंबर माह में भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस समय तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में रामपुर निवासी ललिता मिंज, मैनपाट निवासी अमित किंडो और फकीरचंद पटेल शामिल थे। वे सभी अपने-अपने काम से जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई थी।

डॉ. ममता साहू ने संभाली छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की कमान

- महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, त्वरित न्याय और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त डॉ. ममता साहू ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। शास्त्री चौक स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में उन्होंने कार्यभार संभालते हुए महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. ममता साहू ने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और सभी से समर्पण, पारदर्शिता तथा संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की अपेक्षा की। उन्होंने आयोग के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग महिलाओं को न्याय दिलाने, उनकी शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण तथा उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता

और जवाबदेही के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं के हितों से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास करेगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया, नगर निगम रायपुर के पार्षद महेश ध्रुव, दुर्गेश राव, श्रीमती रजनी शेंगडे, जितेन्द्र साहू, कृष्णा साहू, श्रीमती सीमा डहरिया, गीतेश साहू सहित आयोग के सचिव, सहायक संचालक, लेखाधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने संभाला कार्यभार बैठक लेकर विभागीय कार्यों की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के नए सीईओ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2021 बैच के अधिकारी सुमीत अग्रवाल ने सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने नवा रायपुर में इंद्रावती भवन स्थित सूडा मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद सूडा और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी ली। श्री अग्रवाल इससे पहले दुर्ग नगर निगम के आयुक्त के रूप में कार्यरत थे।

सूडा के नए सीईओ सुमीत अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों से कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्रों का समग्र विकास और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हम सभी विभागीय अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाने के लिए काम करेंगे। उनके कार्यभार ग्रहण करने के दौरान सूडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुष्यंत कुमार रायस्त, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, उप संचालक अर्पिता पाठक, अधीक्षण अभियंता रमेश सिंह, सूडा के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील अग्रहरि और सचित कुमार साहू सहित अनेक विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

पैसे के टीटीई

सब्जियों की तरह बेचते हैं बर्थ

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था।

“दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी।

दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फ्लत: हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा। ताकि पैसे लेकर खाली बर्थ बेचने वाले टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कदाचार करने वाले रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ अधिकतम कार्रवाई करने को कहा क्योंकि टीटीई की लापरवाही ही ट्रेन में घटे इस अपराध की वजह बनी थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति सिर्फचोरी का शिकार हुआ,लेकिन टीटीई के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से उसकी जान चली गई। अदालत ने माना कि ऐसे तमाम मामले सामने नहीं आ पाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि रेलवे कर्मचारी ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें तो यात्रियों का जीवन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल-नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक हित साधने का माध्यम रहा है। एक समय गठबंधन सरकारों के दौर में रेल मंत्री पद के लिये बड़ी दावेदारी होती थी। अपने चुनाव क्षेत्र व राज्य के लोगों को रेलवे में भर्ती करना प्राथमिकता होती थी, लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और कार्यशैली में सुधार की दिशा

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

पीयूष गोयल

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है।

यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार-अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी।

व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230% बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी।

पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99% टैरिफलाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100% व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर- यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है।

भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा।

रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे।

कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीए भारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ लागू हो

रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है।

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें - भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95% कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50% तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते में डेयरी, सब्जियां, सेब, खाद्य तेल, जई (ओट्स), मोटे अनाज, कुकिंग ऑयल और अन्य जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी सुरक्षा दी गई है और इन्हें संवेदनशील सूची में रखा गया है। इन वस्तुओं पर ब्रिटेन को कोई सीमा-शुल्क छूट नहीं दी गई है। ये अपवाद मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृष समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं।

एसएमई - स्थानीय प्रयास, वैश्विक ताकत - पीएम मोदी ने हमेशा से भारत के लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उच्च प्राथमिकता दी है। सीईटीए में महत्वपूर्ण एसएमई क्षेत्र की मदद के लिए एक विशेष अध्याय है, 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.8% थी। सीईटीए कई प्रमुख प्रावधानों के साथ एसएमई की मदद करेगा, जैसे तेज सीमा-शुल्क प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों और दस्तावेज रहित व्यापार को मान्यता देने और सुविधाजनक बनाने के समझौते।

बाजार तक प्राथमिक पहुंच के अलावा, एसएमई को व्यापार, शिक्षा और वित्त, डिजिटल कौशल, व्यवसायिक अवसंरचना और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं पर बढ़ते सहयोग का भी लाभ मिलेगा।

मछुआरों के लिए बड़ी खुशी - सीईटीए से भारत के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को काफी फायदा मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 28 मिलियन लोगों की आजीविका का ज़रिया है।

बाज़ार तक बेहतर पहुँच और ज़्यादा निर्यात से आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र के मछुआरों को लाभ होगा। इससे न सिर्फ भारत के मत्स्य निर्यात को मज़बूती मिलेगी, बल्कि मछुआरों की भलाई और आजीविका में भी मदद मिलेगी और तटीय इलाकों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

महिलाओं के लिए बड़ी जीत - यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है।

दोनों देशों ने महिलाओं की बाज़ार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ का वादा किया है।

सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है। यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है। हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

दुनिया के लिए सबक यूरोप की असामान्य गर्मी

ज्ञानेन्द्र रावत

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं।

ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है।

हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए

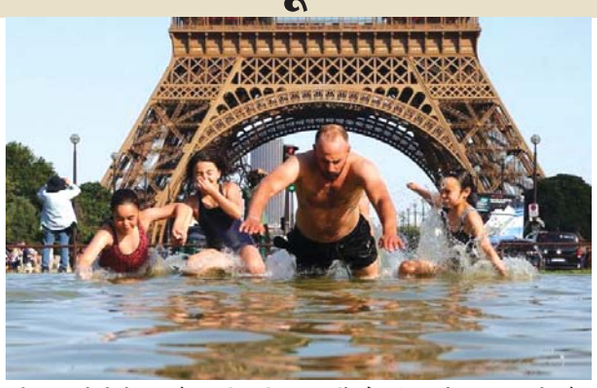

लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं। यह हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत है। इन हालातों ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं। उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है।

फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर-पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है। ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। फ्रांस में कारों में अत्यधिक तापमान के कारण कई छोटे बच्चे मौत के मुंह में चले गए। यहां के ब्रिटनी और पेज दे ला लोआर इलाके के अनेक पोल्ट्री फार्मों में अत्यधिक गर्मी से लाखों पक्षियों की मौत हो गई।

दरअसल, अध्ययनों ने एक साल पहले ही चेता दिया था कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तीन गुना अधिक भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट में प्रकाशित किंग्स कॉलेज के अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, स्वस्थ और युवा वयस्कों को बढ़ती गर्मी के चलते होने वाली कठिनाई की सीमा तीन गुना होने की संभावना व्यक्त की गई थी। अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि जिन क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी जैसे हालात होंगे, वहां वृद्ध लोगों को गर्मी से 35 फीसदी अधिक खतरा होगा। अध्ययनकर्ता प्रोफेसर टॉम मैथ्यूज के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि निर्धारित मानक के अनुपात में दो डिग्री तक पहुंच जाती है तो इसके घातक परिणाम होंगे। इससे वृद्ध लोगों को झुलसाने वाली गर्मी की सीमाएं बढ़ेंगी। वहीं, इससे युवा आने वाले समय में अधिक जूझते नजर आएंगे। शोधकर्ताओं का दावा है कि असहनीय गर्मी में शरीर का मुख्य तापमान छह घंटे के भीतर 47 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। सरकारों को अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेना होगा।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

परेशान करती सरकार व समाज की चुप्पी

विश्वनाथ सचदेव

आज जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, और उसे लेकर समाज में जो कुछ नहीं हो रहा है, वह कुल मिलाकर राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि हमारी सरकार युवा-शक्ति की परेशानी को समझने की कोशिश करती, पर उसने चुप्पी साध रखी है। होना तो चाहिए था कि हमारा मीडिया इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुखर होता।

देश की राजधानी दिल्ली में 'कॉकरोच पार्टी' का आंदोलन जारी है। लगभग एक महीना होने को आया देश के युवाओं की टोलियों को देश के शिक्षामंत्री का इस्तीफा मांगते हुए। उनका कहना है 'नीट' की परीक्षा में होने वाली धांधली और अनेक युवाओं द्वारा की गई आत्महत्याओं की जिम्मेदारी किसी को तो लेनी होगी। सवाल शिक्षामंत्री के इस्तीफे मात्र का नहीं है, सवाल जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की आपराधिक अनदेखी करने का भी है। इस बीच लद्दाख के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को भी जंतर-मंतर पर आमरण अनशन करते हुए सोलह दिन से अधिक हो गये हैं। और जब मैं यह शब्द लिख रहा हूं, सोशल मीडिया पर यह समाचार वायरल हो रहा है कि वांगचुक की स्थिति ठीक नहीं है। हैरानी की बात तो यह है कि युवाओं के आंदोलन के इतने दिन बीत गये, वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है, और सरकार के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही!

क्या यह सही नहीं है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली के चलते पंद्रह से अधिक युवाओं ने आत्महत्या कर ली? इस धांधली और युवाओं की मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका कोई समुचित जवाब सरकार ने अब तक नहीं दिया है। यह सही है कि इस बीच 'नीट' की परीक्षा फिर से करवा ली गयी है, पर क्या यह सही नहीं है कि लाखों विद्यार्थियों ने भयंकर मानसिक दबाव में यह परीक्षा फिर से दी है? कोई तो उत्तरदायी होगा इस सारी स्थिति के लिए। मामला शिक्षा में धांधली का है, तो क्यों न शिक्षामंत्री को इसके लिए उत्तरदायी माना जाये? होना तो यह चाहिए था कि देश के शिक्षामंत्री स्वयं आगे बढ़कर नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देकर एक उदाहरण प्रस्तुत करते। पर उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उलटे भाजपा वाले बड़े गर्व से यह कहते नहीं थक रहे कि उनकी सरकार में पद से इस्तीफा देने की परम्परा नहीं है।

सवाल पूछा जाना चाहिए कि संबंधित मंत्री जवाबदेही क्यों न स्वीकारें। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने वाले प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस महत्वपूर्ण प्रकरण के बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है। 'नीट' के लगभग बीस उम्मीदवारों की आत्महत्या क्या कोई इतना छोटा मामला है कि देश के प्रधानमंत्री को इस बारे में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई? यहां यह कहना असंगत नहीं होगा कि 2021 से लेकर 2026 तक 'नीट' से जुड़े ऐसे नब्बे से अधिक मामले सामने आये हैं। इस बार लगभग 23 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी थी। सब जानते हैं कि इस परीक्षा की तैयारी कोई

खेल नहीं होती। भयंकर दबाव में रहते हैं प्रतीक्षार्थी। आत्महत्या करने वाले अभागे छात्र इस दबाव को झेल नहीं पाये। कल्पना की जा सकती है कि इनके अभिभावकों पर क्या गुजर रही होगी। इस चुप्पी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह सही है कि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं की तुलना कॉकरोच से किये जाने के बाद कॉकरोच पार्टी के गठन को पहले हल्के में ही लिया गया था। बोस्टन में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके ने शायद मजाक में ही मुख्य न्यायाधीश की बात पर सोशल मीडिया से यह सवाल उछाला था कि 'यदि सारे कॉकरोच इकट्ठे हो गये तो?' इस 'तो' के उत्तर में जब हज़ारों की संख्या में युवा समर्थकों ने मुख्य न्यायाधीश के कथन की आलोचना करते हुए विरोध की आवाज़ उठायी तो बात गंभीर होती गयी। यह सही है कि आज भी संस्था की दृष्टि से इस आंदोलन को उतनी सफलता नहीं मिल पायी, जितनी मिल जानी चाहिए थी, पर जो समर्थन इसे देश में मिल रहा है, वह कम भी नहीं है। कम से कम इतना कम तो नहीं कि इसकी उपेक्षा की जाये।

आखिर युवा यही तो पूछ रहे हैं कि परीक्षा में धांधली का जिम्मेदार कौन है? छात्रों की आत्महत्या करने के लिए बाध्य करने के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? वांगचुंक और उनके साथ कई छात्रों को अनशन पर क्यों बैठना पड़ा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारी समूची व्यवस्था इतनी असंवेदनशील और अनुत्तरदायी कैसे हो गयी है? एक और सवाल जो हमारी चिंता का विषय बनना चाहिए वह हमारे मीडिया की असंवेदनशीलता का है। जंतर-मंतर पर हजारों युवा देश के शिक्षामंत्री के खिलाफ लगभग एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। खुले मैदान में ये छात्र गर्मी और बरसात झेल रहे हैं। भूख हड़ताल पर बैठे युवाओं में से कइयों को बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया है। मुद्दा देश के युवाओं के भविष्य का है। लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पर इस सबको लेकर देश की मुख्यधारा का मीडिया ज़रा भी चिंतित नहीं दिखाई दे रहा। आपराधिक चुप्पी सरकार ही नहीं बरत रही, हमारे मीडिया ने भी वैसी ही चुप्पी साध रखी है। आखिर क्यों? यह एक शर्मनाक हकीकत ही है कि यदि हमारा सोशल मीडिया सक्रिय न होता तो जंतर-मंतर के इस प्रदर्शन की जानकारी भी देश को न हो पाती।

आंदोलन कैसे चल रहा है, आंदोलन के प्रति समाज का रवैया कैसा है, सरकार की चुप्पी का रहस्य क्या है, जैसे सारे सवाल अनुत्तरित ही रह जाते यदि सोशल मीडिया इस संदर्भ में सक्रिय न होता। महीने भर से देश का युवा उद्वेलित है, राजधानी दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य शहरों में भी युवा-शक्ति सड़कों पर है, पर अखबारों में इसकी कोई जानकारी नहीं दिखती। हमारे प्रधानमंत्री की विदेश-यात्राओं में भारतीय मूल के लोगों की 'भीड़' को दिखाने की तत्परता तो हमारे मीडिया में खूब दिख रही है, पर देश की राजधानी दिल्ली में लगातार जुट रहे युवा जैसे मीडिया को दिखाई ही नहीं दे रहे! जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की दुहाई देने वाले विश्व के सबसे बड़े जनतांत्रिक देश में मीडिया का यह रुख हैरानी ही नहीं, शर्म और चिंता की बात भी है।

मीडिया का दायित्व है कि वह समाज को स्थिति की गंभीरता और भयावहता से परिचित कराये। सरकार से सवाल पूछे कि वह इस गंभीर विषय पर कुछ कहने-करने से क्यों कतरा रही है? सवाल सिर्फ शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं है, उस सारी स्थिति के आकलन का है जिसके चलते छात्रों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है। सवाल हमारी शिक्षा नीति के औचित्य को लेकर भी उठ रहे हैं। मेडिकल या इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं भी सवालों के घेरे में हैं। शिक्षामंत्री कह रहे हैं 2027 तक ये सारी परीक्षाएं कम्प्यूटर-आधारित कर दी जायेंगी। बहरहाल, आज जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, और उसे लेकर समाज में जो कुछ नहीं हो रहा है, वह कुल मिलाकर राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि हमारी सरकार युवा-शक्ति की परेशानी को समझने की कोशिश करती, पर उसने चुप्पी साध रखी है। होना तो चाहिए था कि हमारा मीडिया इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुखर होता, पर उसने भी रहस्यमय चुप्पी साधने का रास्ता अपनाया है। आखिर क्यों? इस 'क्यों' का उत्तर मिलना ही चाहिए। देश की युवा-शक्ति को कॉकरोच कहे जाने पर यदि युवाओं को आपत्ति है तो इस आपत्ति की तह तक जाना भी सरकार का दायित्व बनता है। युवाओं का यह मुद्दा सीधा देश की बेरोजगारी से जुड़ता है। आज युवा वर्तमान से ही परेशान नहीं है, उसे अपने भविष्य की भी चिंता है। सवाल एक शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं, युवा-शक्ति के समूचे भविष्य का है। हमारी सरकार को, और हमारे मीडिया को, इसकी चिंता कब होगी?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

संतोषी नगर वार्ड में त्वरित कार्रवाई से फिर जगमगाईं स्ट्रीट लाइटें

भिलाई। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'सीएम हेल्पलाइन 1076' आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के माध्यम से सुशासन को धरातल पर मजबूत कर रही है, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण दुर्ग जिले के भिलाई नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 33, संतोषी नगर से सामने आया है। यहाँ कई दिनों से स्ट्रीट लाइटें बंद होने के कारण शाम ढलते ही पूरे क्षेत्र में अंधेरा पसर जाता था, जिससे न केवल राहगीरों, महिलाओं व बच्चों को आवागमन में भारी असुविधा होती थी, बल्कि अंधेरे की आड़ में असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ने से क्षेत्रवासियों में असुरक्षा की भावना भी पनप रही थी। इस सार्वजनिक समस्या के समाधान के लिए स्थानीय जागरूक नागरिक बोल बम गुप्ता ने 'सीएम हेल्पलाइन 1076' पर अपनी शिकायत दर्ज कराई, जिस पर संबंधित विभाग ने त्वरित संज्ञान लेते हुए कुछ ही दिनों के भीतर बंद पड़ी सभी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर उन्हें पुन: चालू कर दिया। जिला प्रशासन की इस त्वरित कार्यप्रणाली ने साबित कर दिया है कि अब आम जनता की समस्याओं को फाइलों में दबाया नहीं जाता, बल्कि उन पर तत्काल एक्शन लिया जाता है। डिजिटल माध्यम से मिली इस राहत ने आम नागरिकों और शासन के बीच के फासले को पूरी तरह से मिटा दिया है। वार्ड में रोशनी लौट आने से जहाँ स्थानीय निवासियों को अब रात के समय सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल रही है और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगा है, वहीं त्वरित जनसेवा की इस कार्यप्रणाली से प्रसन्न होकर संपूर्ण वार्डवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस संवेदनशील पहल और सीएम हेल्पलाइन के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है।

'नई चेतना' जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विगत दिनों में इस्पात गलन शाला-3 (एसएमएस-3) के कॉन्फ्रेंस हॉल में महिला संविदा कर्मियों के लिए 'नई चेतना' जागरूकता एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला संविदा कर्मियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा, महिला अधिकारों, औद्योगिक संबंध, श्रमिक कल्याण योजनाओं, मातृत्व संबंधी सुविधाओं तथा स्वास्थ्य एवं उत्पीड़न से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने महिला कर्मियों को सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने, अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहने तथा आत्मविश्वास एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूक एवं सशक्त महिला कर्मी किसी भी संगठन की कार्य संस्कृति को और अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक महाप्रबंधक सुशील कामड़े तथा विभागीय सुरक्षा अधिकारी (डीएसओ) उमाशंकर परगनिहा द्वारा किया गया।

नमस्ते दिवस पर स्वच्छता दीदियों का सम्मान, सुरक्षा उपकरण वितरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाईनगर। नमस्ते दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 नेहरू नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदियों के सम्मान एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता दीदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त सह जोन आयुक्त दिनेश कोसरिया ने कहा कि स्वच्छता दीदियां शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का ध्यान रखना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी स्वच्छता

कर्मियों से सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना ने भी सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी देते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में पी.आई.यू अभिनव ठोकनेए सुभम पाटनी एवं ए.पी.एम. सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता दीदियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुरक्षित कार्य वातावरण के लिए निगम द्वारा निरंतर प्रयास किए जाने की बात कही।

महान साधिका डॉ. तीजन बाई की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मंगलवार को दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी पहुंचे, जहां उन्होंने पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई के दशगात्र एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पैतृक गृह ग्राम गनियारी में आयोजित इस शोकसभा में मुख्यमंत्री ने स्व. डॉ. तीजन बाई के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया तथा शोकसंतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर स्व. डॉ. तीजन बाई के पुत्र दिलहरण पारधी तथा परिवार के अन्य सदस्यों से भेंट कर उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्व. डॉ. तीजन बाई केवल छत्तीसगढ़ की नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक पहचान थीं। उन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा, अद्भुत साधना और पंडवानी की कापालिक शैली के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्व. डॉ. तीजन बाई का योगदान आने वाली पीढ़ियों को भी निरंतर प्रेरित करता रहेगा। स्व. डॉ. तीजन बाई का संपूर्ण जीवन लोककला, संस्कृति और परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन को समर्पित रहा। उन्होंने पंडवानी को विश्व मंच तक पहुंचाकर न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई। उनकी कला, साधना और सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष 'डॉ. तीजन बाई लोककला अलंकरण' प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम गनियारी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नामकरण स्व. डॉ. तीजन बाई के नाम पर किया जाएगा, ताकि इस क्षेत्र के विद्यार्थी उनके जीवन, संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने यह कहा कि लोककला की महान साधिका डॉ. तीजन बाई की स्मृतियों को राज्य सरकार द्वारा चिरस्थायी रखते हुए उनकी जीवनभर की कला-साधना के प्रतीक रहे तंबूरे को रायपुर के संग्रहालय में पूरे सम्मान के साथ संरक्षित रखा जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियां उनकी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।

श्रद्धांजलि सभा को सांसद विजय बघेल, प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल तथा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने भी संबोधित किया। उन्होंने स्व. डॉ. तीजन बाई के व्यक्तित्व, कृतित्व और लोककला के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उन्हें सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पद्मश्री आरएस बारले, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन सहित अन्य गणमान्यजन, छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे कलाकार, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। खरीफ मौसम के दौरान किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की अनिश्चितता से बचाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की प्रक्रिया 12 जुलाई से शुरू हो चुकी है। सभी किसान अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 का इंतजार किए बिना समय पर अपनी फसलों का बीमा करा सकते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार इस साल अलनीनो के प्रभाव के कारण अनियमित या कम बारिश की संभावना बनी हुई है। कृषि विभाग द्वारा बताया गया है कि योजना के तहत जिले में किसान भाई अधिसूचित फसलों धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, सोयाबीन, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, मूंगफली, कोदो, कुटकी तथा रागी का बीमा करा सकते हैं। कृषक बैंक, वित्तीय संस्थान, लोक सेवा केंद्र, या स्वयं सीधे भारत सरकार के राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। जिस हेतु आवश्यक दस्तावेज नवीनतम आधार कार्ड, नवीनतम बी-1 और पी-2 की कॉपी, बैंक पासबुक के मुख्य पृष्ठ की फेटोकॉपी, फसल बुवाई का प्रमाण पत्र या स्व-घोषणा पत्र, बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिये फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र तथा चालू मोबाइल नंबर है।

किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में चार प्रमुख जोखिम फसल की बुवाई/रोपाई (प्रतिकूल मौसम अवस्थाओं के कारण) नहीं होने, स्थानीयकृत आपदाएं (ओलावृष्टि, जलभराव आदि) व फसल कटाई के उपरांत खेत में काटकर व फैलाकर गठरों में बांधकर सुखाने के लिये रखी गई फसल में होने वाली क्षति एवं फसल कटाई के बाद उपज के आंकड़ो के आधार पर क्षति को शामिल किया गया है।

यदि किसी भी आपदा के कारण फसल को नुकसान पहुंचता है, तो किसानों को 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना देना अनिवार्य होगा। इसके लिए कृषक केंद्र सरकार के टोल-फ्री नंबर 14447 पर कॉल कर सकते हैं।

सुपेला रावणभाटा में चला निगम का बुलडोजर लोगों ने लगाया निगम पर पक्षपात का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला के रावणभाटा क्षेत्र में मंगलवार को अतिक्रमण पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां दुकानदारों ने नाली के ऊपर कब्जा कर सड़क तक दुकानें लगा रखी थी। जैसे ही निगम का अमला कार्रवाई के लिए पहुंचा भारी बवाल मच गया। दुकानदारों ने कार्रवाई का विरोध किया और निगम पर पक्षपात का आरोप लगाया। इस बीच निगम के अफसर समझाइश भी देते रहे। विवाद बढ़ने के बाद मौके पर भारी पुलिस बल भी पहुंच गया।

बता दें सुपेला रावण भाटा क्षेत्र में कई सारे बुक स्टॉल हैं। यहां सड़क किनारे छोटी-छोटी ठपरी नुमा दुकानें भी हैं। मंगलवार को भिलाई निगम का तोड़ूदस्ता पहुंचा कार्रवाई शुरू की। इसके बाद अफरा तफरी मच गई। मंगलवार होने के कारण मुख्य बाजार की कई दुकानें बंद रही। वहीं रावणभाटा क्षेत्र के दुकानदार अपनी दुकानों को समेटने लगे। इससे पहले की निगम का बुलडोजर चले लोगों ने स्वेच्छा से कब्जा हटा लिया। वही कुछ दुकानों पर कार्रवाई के दौरान विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

लोगों का आरोप है कि निगम द्वारा टारगेट कर दुकानों को तोड़ा जा रहा है। स्थानीय

व्यापारियों का कहना है कि यदि सड़क किनारे बनी दुकानें अतिक्रमण की श्रेणी में आती हैं, तो कार्रवाई सभी पर समान रूप से होनी चाहिए। उनका आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों की दुकानों को जानबूझकर छोड़ दिया गया, जबकि अन्य दुकानों पर बुलडोजर चला दिया गया।

विरोध कर रहे लोगों ने अफसरों को घेर लिया और नगर निगम मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। तनाव को देखते हुए निगम को कार्रवाई रोकनी भी पड़ी। जोन आयुक्त दीपक कोसरिया भी लोगों को समझाते रहे। उन्होंने बताया कि यहां पर कई दुकानदारों ने अपनी दुकान नाली के ऊपर बना रखी है। जिसके कारण सफाई नहीं हो पा रही है। इसे देखते हुए नाली पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

नई आयुक्त ने संभाला मोर्चा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं का जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की नव-नियुक्त आयुक्त सुरूचि सिंह(IAS) ने कार्यभार संभालते ही शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मैदानी स्तर पर निरीक्षण शुरू कर दी है। इसी कड़ी में आज उन्होंने निगम के जोन 1 और जोन 2 अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा किया और विकास कार्यों सहित स्वच्छता व्यवस्था का जायजा ली हैं।

आयुक्त ने अपने दौरे की शुरुआत जोन 1 नेहरू नगर अंतर्गत संचालित एसएलआरएम सेंटर से की हैं। वहां उन्होंने कचरा पृथक्करण की प्रक्रिया को देखी और स्वच्छता दीदियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं व कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इसके पश्चात, उन्होंने एम. जे. कॉलेज के समीप स्थित कोसा नाला का निरीक्षण किये। वर्षा ऋतु के मद्देनजर उन्होंने नाले की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

जोन 1 के बाद निगम आयुक्त जोन 2 का रुख कर यहाँ उन्होंने एसएलआरएम सेंटर केंद्र की कचरों के निपटान की क्षमता और स्वच्छता मानकों की समीक्षा की। नवनिर्मित डॉग हाउस

में आवारा कुत्तों के सुव्यवस्थित रखरखाव और उनके टीकाकरण/बंध्याकरण के लिए बनाए गए नए डॉग हाउस का बारीकी से निरीक्षण कर और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किये हैं। गोठान की व्यवस्थाओं को देखते हुए उन्होंने मवेशियों के लिए चारे-पानी के साथ अन्य पुख्ता इंतजाम हेतु निर्देश दिये हैं।

शहर की स्वच्छता, सुगम ड्रेनेज सिस्टम और जन-सुविधाएं हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी और कर्मचारी फील्ड पर सक्रिय रहकर जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करें।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त सह जोन आयुक्त डी के कोसरिया, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता माहेश्वर, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता शंकर सुवन मरकाम, पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील जोशी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, शंकर साहनी सहित निगम का अमला उपस्थित रहा।

महापौर परिषद की बैठक में विकास कार्यों को मिली मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता तथा निगम आयुक्त सुरूचि सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न 14 महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए 9 प्रस्तावों को स्वीकृति एवं अनुशंसा प्रदान की गई।

बैठक में निगम की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षागार्ड व्यवस्था दो माह के देयक भुगतान तथा संबंधित वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति पर महापौर परिषद ने सहमति प्रदान की। महापौर परिषद ने केनाल रोड के तिराहों एवं चौराहों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है, नामकरण करते हुए कैनाल रोड जीरो पॉइंट का नाम गणेश तिराहा चौक, क्रांति मार्केट चौक का नाम शहीद भगत सिंह चौक और जी ई रोड से श्रीराम चौक जाने वाले चौक का नाम बोलबम चौक हेतु महापौर परिषद से स्वीकृति प्राप्त हुई है। डोर-टू-डोर राजस्व करों की वसूली के लिए खोले गए काउंटरों के किराया निर्धारण, खुर्सीपार स्थित पूर्व निर्मित

स्टेडियम एवं दुकानों के तकनीकी संधारण कार्य के लिए अनापत्ति तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की नियुक्ति हेतु अंतिम योग्यता सूची को भी अपनी सहमति प्रदान की गई। इसके अलावा वार्ड 69 एवं 70 हेतु सीवरेज लाइन की कार्य हेतु सीवरेज लाइन अनुभव के साथ सिविल अनुभवी एजेंसी को भी शामिल किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। लीज नवीनीकरण के भवन निर्माण हेतु भवन अनुज्ञा 30 सितंबर 2026 तक लिया जाना अनिवार्य होगा। उक्त अवधि के अंदर भवन अनुज्ञा प्राप्त जमीन मालिकों का निर्माण अवधि 2 वर्ष तक किए जाने सहित अन्य प्रस्ताव हेतु महापौर परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की है ।

नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम क्षेत्र में स्थापित स्ट्रीट लाइटों के वार्षिक संचालन एवं संधारण कार्य को जोनवार निविदा हेतु पुन: निविदा हेतु निर्णय लिया गया है जिससे कार्य में सुगमता हो। वार्ड 70 में नवनिर्मित मंगल भवन के चारों ओर गार्डन सौंदर्यीकरण एवं पार्किंग निर्माण कार्य सहित अन्य प्रस्ताव पर पुन: निविदा किए जाने का निर्णय लिया गया है। खुर्सीपार स्थित पूर्व निर्मित स्टेडियम एवं दुकानों के सलाहकार समिति में रखे जाने हेतु निर्णय लिया गया है।

बैठक में महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, एकांश बंछोर, आदित्य सिंह, साकेत चंद्राकर, चंद्रशेखर गंवई, मन्नान गफ्फार खान, लालचंद वर्मा, मालती ठाकुर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू सहित अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे, दिनेश कोसरिया, जोन आयुक्त येशा लहरे, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, संजय अग्रवाल, अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, नितेश मेश्राम, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता श्वेता माहेश्वर, विनय शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

जागरूक होंगे बच्चे, सुरक्षित होगा छत्तीसगढ़ का भविष्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में बच्चों के सुरक्षित, सम्मानजनक एवं अधिकार-संपन्न बचपन के निर्माण की दिशा में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य के अंतर्गत राज्य के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं किशोर-किशोरियों को बाल संरक्षण, व्यक्तिगत सुरक्षा, कानूनी अधिकार तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में आयोजित इन कार्यक्रमों में मिशन वात्सल्य, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर तथा पुलिस विभाग के अधिकारी विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता, गुड टच एवं बैड टच की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा तथा किसी भी प्रकार के शोषण अथवा अनुचित व्यवहार की स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

महतारी वंदन योजना से मिली आर्थिक मजबूती, स्वरोजगार को मिली नई पहचान

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मोहला के ग्राम रामगढ़ निवासी श्रीमती केजू बाई सलामे इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। अपनी मेहनत और लगन के साथ शासन की योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाया है, बल्कि आज वे आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी बन रही हैं। केजू बाई बिहान के रोशनी स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उनमें बचत एवं आर्थिक प्रबंधन की समझ बढ़ी और स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला। इसी आत्मविश्वास के साथ उन्होंने अपने गांव में एक किराना दुकान का संचालन शुरू किया, जो आज उनके परिवार की आय का प्रमुख स्रोत बन चुकी है। वे बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि नियमित रूप से प्राप्त होती है। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि व्यवसाय को आगे बढ़ाने की पूंजी बन गई है।

सौर ऊर्जा से रोशन हुआ देवेंद्र का घर, बिजली बिल की चिंता से मिली हमेशा के लिए मुक्ति

रायपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर भारी-भरकम बिजली बिल से हमेशा के लिए मुक्ति पाई जा सकती है। भारत सरकार 3 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम पर 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी देती है। 1 किलोवाट के लिए 30 हजार रूपए, 2 किलोवाट के लिए 60 हजार रूपए और 3 किलोवाट या उससे अधिक के लिए 78 हजार रूपए तक की वित्तीय सहायता सीधे आपके बैंक खाते में प्रदान की जाती है। दंतेवाड़ा जिले के रहने वाले देवेंद्र झाड़ी के लिए अब हर महीने आने वाला बिजली का बिल कोई चिंता का विषय नहीं रहा। कुछ समय पहले तक वे भी महंगे बिजली बिलों से परेशान रहते थे, लेकिन आज उनके घर की छत पर लगे सोलर पैनल उनके परिवार के लिए बचत और खुशहाली की नई किरण लेकर आए हैं। यह सब मुमकिन हुआ है प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के जरिए।

साय सरकार के सुशासन में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को मिली आर्थिक मजबूती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप वनवासी एवं तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्ष 2023 के तेन्दूपत्ता संग्रहण की प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) राशि का ऑनलाइन भुगतान किया गया।

गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के मरवाही वनमंडल अंतर्गत पेण्ड्रारोड जिला लघु वनोपज सहकारी संघ के माध्यम से 9 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के 10 हजार 160 हितग्राहियों के बैंक खातों में 1 करोड़ 39 लाख 36 हजार 718 रुपये की राशि एमएफ्पी कलेक्शन एंड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से सीधे अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार वनवासी समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने, उन्हें समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा लघु वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में जिले में 6593 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण के आधार पर बोनस राशि का वितरण किया गया। पूरी भुगतान प्रक्रिया डिजिटल एवं पारदर्शी माध्यम से संपन्न होने से हितग्राहियों को बिना किसी विलंब के सीधे उनके बैंक खातों में राशि प्राप्त हुई, जिससे संग्राहकों में प्रसन्नता का वातावरण है। वनमंडल अधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक श्रीमती ग्रीष्मी चांद के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान से हजारों वनवासी परिवारों को आर्थिक राहत मिली है। प्राप्त बोनस राशि का उपयोग हितग्राही कृषि कार्यों, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य आवश्यक घरेलू जरूरतों की पूर्ति में कर सकेंगे, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 के तेन्दूपत्ता संग्रहण के लिए पारिश्रमिक का भुगतान 4 हजार रुपये प्रति मानक बोरा की दर से पहले ही किया जा चुका था। अब प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) राशि के भुगतान से तेन्दूपत्ता संग्राहकों को अतिरिक्त आर्थिक संबल प्राप्त हुआ है। इससे न केवल वनवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं हितग्राही-केंद्रित नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। तेन्दूपत्ता संग्राहकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से बोनस राशि उपलब्ध कराना इसी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है, जो वनवासी समुदाय के जीवन में खुशहाली और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय जोड़ रहा है।

विधानसभा परिसर में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के तहत हुआ वृहद पौधरोपण

लोकतंत्र के मंदिर से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का सशक्त संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान विधानसभा परिसर हरियाली, जनभागीदारी और मातृ सम्मान के भाव से सराबोर नजर आया। श्एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित विधानसभा के सभी सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। यह संकल्प केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के संरक्षण, मातृत्व के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प बनकर उभरा। कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने अभियान के लिए तैयार विशेष सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें भी खिंचवाईं तथा प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान आज पूरे देश में जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी मां के प्रति कृतज्ञता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और आने वाली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी मां के नाम पर पौधा लगाता है तो उस पौधे के साथ उसका भावनात्मक रिश्ता भी जुड़ जाता है और वह उसके संरक्षण के लिए स्वयं प्रेरित होता है। यही भाव इस अभियान को स्थायी, प्रभावी और जनभागीदारी आधारित बनाता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में विधायकों द्वारा अपनी माताओं के नाम पर पौधारोपण किया जाना अत्यंत प्रेरणादायी पहल है। विधानसभा परिसर से दिया गया यह संदेश निश्चित रूप से पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई जागरूकता उत्पन्न करेगा। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल समाज में वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान और जैव विविधता के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में वृक्षारोपण केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के संतुलन के आधार हैं। वे हमें शुद्ध वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण और स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी उसी आत्मीयता से करनी चाहिए, जिस भाव से वह अपने परिवार के किसी सदस्य की देखभाल करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश में वन संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा जनभागीदारी आधारित पर्यावरणीय अभियानों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्एक पेड़ मां के नाम 3.0श् अभियान प्रदेश के गांव-गांव, शहर-शहर और प्रत्येक परिवार तक पहुंचेगा तथा प्रकृति संरक्षण को सामाजिक दायित्व और जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में उत्कृष्ट मॉडल बन सकता है। कार्यक्रम में विधानसभा के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी माताओं के नाम पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री साय की पहल से जशपुर को मिली मेडिकल कॉलेज की ऐतिहासिक सौगात

शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 50 एमबीबीएस सीटों पर होगा प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों को एक बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री साय की विशेष पहल और निरंतर प्रयासों से जशपुर जिले के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित शासकीय मेडिकल कॉलेज को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है। मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ([illegible]) द्वारा 12 जुलाई 2026 को जारी लेटर ऑफ परमिशन (स्वच) के अनुसार शासकीय मेडिकल कॉलेज, जशपुर-कुनकुरी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से 50 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश प्रारंभ किया जाएगा।

यह मेडिकल कॉलेज पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साइंस एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध होगा। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा निर्धारित सभी शैक्षणिक, अधोसंरचनात्मक एवं चिकित्सीय मानकों का परीक्षण करने के उपरांत यह स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही जशपुर प्रदेश के उन जिलों में शामिल हो गया है, जहां मेडिकल शिक्षा की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य दूरस्थ, आदिवासी और वनांचल क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। जशपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जशपुर जिले के विद्यार्थियों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। जिले में ही चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों का समय, धन और संसाधनों की बचत होगी तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली युवाओं को भी डॉक्टर बनने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के संचालन से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक विस्तार होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विकास होगा, गंभीर एवं जटिल बीमारियों के उपचार की क्षमता मजबूत होगी तथा भविष्य में सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

छात्रावास में आवश्यक सुधार किए जा चुके हैं छात्रों को मिल रही बेहतर सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि बीजापुर जिले के प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास गंगालूर की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किए गए हैं। अब विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त संख्या में भोजन की थालियां उपलब्ध हैं। भोजन स्वच्छ एवं व्यवस्थित तरीके से परोसा जा रहा है तथा स्वीकृत मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। वर्तमान में छात्रावास की सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो रही हैं ।

छात्रावासों की नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी: सहायक आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें और अफवाहों पर ध्यान न दें। विभाग ने कहा है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवास, पौष्टिक भोजन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए छात्रावासों का नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी की जा रही है। यदि कहीं भी लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाती है। विभाग ने दोहराया है कि वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवास, पौष्टिक भोजन और एक सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। छात्रावासों की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए लगातार आकस्मिक निरीक्षण और सतत निगरानी की जा रही है। यदि भविष्य में भी किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है।

स्वीकृत मीनू के अनुसार पौष्टिक व गर्म भोजन

विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी है कि विभाग के संज्ञान में छात्रावास की सुविधओं की कमी पर तत्काल कार्रवाई करते हुए छात्रावास की सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर लिया गया था। वर्तमान में छात्रावास की स्थिति पूरी तरह सामान्य और सुचारु है। सहायक आयुक्त ने बताया कि सभी छात्र-छात्राओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भोजन की थालियां उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को पूरी तरह से स्वच्छ, व्यवस्थित और स्वीकृत मीनू के अनुसार पौष्टिक व गर्म भोजन परोसा जा रहा है।

लोकतंत्र की पाठशाला बना विधानसभा परिसर: शकुंतला विद्यालय के विद्यार्थियों ने सदन की कार्यवाही का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से की भेंट: लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय व्यवस्था की मिली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान आज विधानसभा परिसर लोकतंत्र की पाठशाला बन गया, जब भिलाई स्थित शकुंतला विद्यालय के ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं का दल शैक्षणिक भ्रमण पर विधानसभा पहुंचा। विद्यार्थियों ने विधानसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय परंपराओं को निकट से समझने का अवसर प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी ही विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता की आकांक्षाओं को सदन में अभिव्यक्त करने की सतत प्रक्रिया है। विधानसभा में जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा होती है और जनता के कल्याण के लिए नीतियां एवं कानून बनाए जाते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन के साथ-साथ संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को समझने, संविधान के प्रति सम्मान विकसित करने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तथा विधायक रिकेश सेन भी उपस्थित थे। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सदन की कार्यवाही को दर्शक दीर्घा से देखा और प्रश्नकाल, विभिन्न विषयों पर चर्चा तथा संसदीय प्रक्रियाओं को निकट से समझा। उन्होंने विधानसभा भवन की संरचना, कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त कीं।

विद्यार्थियों ने इस अनुभव को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि पुस्तकों में पढ़ी गई संसदीय व्यवस्था को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर उनके लिए विशेष रहा। उन्होंने कहा कि इससे लोकतंत्र, संविधान और जनप्रतिनिधियों की भूमिका के प्रति उनकी समझ और अधिक विकसित हुई है।

रायगढ़ व धरमजयगढ़ वनमंडलों में 3.43 लाख से अधिक पौधों का रोपण, उद्योगों और कंपनियों की होगी सतत् मॉनिटरिंग

हरित क्रांति की ओर कदम: एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लाखों पौधों का होगा रोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सक्रिय मानसून के बीच पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से राज्य शासन की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' महाअभियान के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। अभियान को प्रभावी और परिणाममुखी बनाने के लिए रायगढ़ जिले के कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में संचालित वृक्षारोपण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की तथा सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का जनआंदोलन होनी चाहिए। उन्होंने अभियान में जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, किसानों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं तथा जागरूक नागरिकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रत्येक रोपा गया पौधा आने वाले वर्षों में जिले की हरित पहचान बने।

बैठक में वन मंडलाधिकारी ने बताया कि जिले के रायगढ़ वनमंडल एवं धरमजयगढ़ वनमंडल द्वारा वर्षा ऋ तु 2026 के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार कर अभियान को गति दी जा रही है। वन विभाग द्वारा विभिन्न श्रेणियों के वृक्षारोपण के साथ पौधों की सुरक्षा और जीवितता सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

रायगढ़ वनमंडल के अंतर्गत रायगढ़, खरसिया, घरघोड़ा एवं तमनार परिक्षेत्र के कुल 27 स्थलों में लगभग 448.49 हेक्टेयर क्षेत्र में 3 लाख 43 हजार 212 पौधों का रोपण किया जाएगा। यह कार्य राज्य कैम्पा मद के अंतर्गत संपादित होगा। वृक्षारोपण के लिए वन विभाग की हाईटेक रोपणियों में सागौन, जामुन, बेल, अर्जुन, आँवला, नीम सहित स्थानीय जलवायु के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के गुणवत्तायुक्त पौधे तैयार किए गए हैं।

अभियान के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, सेफ्टी जोन ब्लॉक वृक्षारोपण, ट्रांसमिशन लाइन के नीचे बौनी प्रजातियों का रोपण तथा वन्यप्राणी एवं पक्षी संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विशेष वृक्षारोपण भी किया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर रोपण प्रभारी एवं सहायक प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो पौधों की सुरक्षा, देखभाल एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करेंगे। वन विभाग द्वारा संचालित किसान वृक्ष मित्र योजना के माध्यम से निजी भूमि पर भी वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष वनमंडल के 44 कृषकों द्वारा लगभग 83.11 एकड़ भूमि पर साधारण सागौन, बांस एवं क्लोनल नीलगिरी के 50 हजार 118 पौधे लगाए जाएंगे। इससे किसानों को भविष्य में अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा तथा पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। इसी कड़ी में कलेक्टर ने जिले में स्थापित सभी बड़े उद्योगों एवं कंपनियों को भी पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम से जोड़ते हुए उनके परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पीपल के पौधों का वृहद स्तर पर रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी जिला पर्यावरण विभाग को सौंपी गई है। उद्यानिकी विभाग द्वारा जिले की विभिन्न शासकीय उद्यान रोपणियों में पीपल के पौधे तैयार कर उद्योगों एवं कंपनियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासकीय उद्यान रोपणी बोईरदादर से 3,200, घरघोड़ा स्थित संजय निकुंज उद्यान रोपणी से 1,250, कंजारा (लैलूंगा) रोपणी से 3,700 तथा धरमजयगढ़ रोपणी से 800 पौधों का वितरण किया जा रहा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे गाया रेन ओवर मी सॉन्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्क।

रेन ओवर मी पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था।

पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम एम.आई.ए.एम.आई. था। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए।

पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वांट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए।

इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी।

अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

चांद मेरा दिल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना पड़ता है।

रेड वेलवेट गाउन में कंगना शर्मा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई-हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है।

गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल-स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है।

बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वेवी हेयर्स को साइड-पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है।

खुले आसमान के नीचे रात के वक्त क्लिक की गई इन तस्वीरों में कंगना का कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा है। कंगना एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। रेड हील्स पहने हुए उनके ये कातिलाना पोज इंटरनेट का तापमान बढ़ाने के लिए काफी हैं।

इमरान हाशमी शैतानी दुनिया में करेंगे वापसी, नई हॉरर फिल्म रूह का हुआ ऐलान, आई पहली झलक

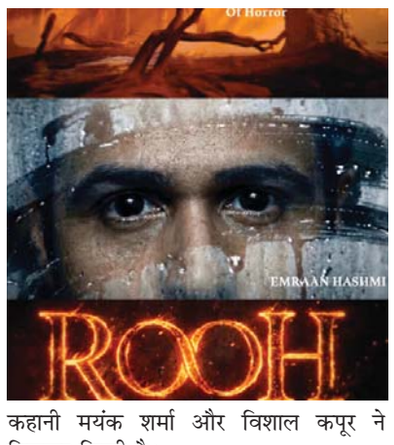

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 को लेकर सुर्खियों में है। इसी बीच उनकी एक और नई फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। वो एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं. एक्टर जल्द ही फिल्म रूह में नजर आने वाले हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाई है।

मेकर्स ने इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ इसका एक डरावना फर्स्ट लुक भी जारी किया है, जिसने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने 52 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है। रूह का फर्स्ट-लुक टीजर एक दमदार और डरावनी अवाज के साथ शुरू होता है।

इसके बाद वीडियो में हवा में तैरती हुई एक लड़की की झलक देखने को मिलती है। वीडियो में आगे एक हाथ धुंधला सा शीशा साफ करता है, जिसके बाद इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है। और अचानक इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं। इसके बाद फिल्म का टाइटल रूह लिखा नजर आता है।

इमरान हाशमी ने इससे पहले राज: द मिस्ट्री कंटीन्यूज, राज 3, राज रीबूट और एक थी डायन जैसी हॉरर फिल्मों में काम किया है। अब रूह के साथ इमरान एक बार फिर उसी डर और रहस्य से भरी दुनिया में लौट रहे हैं।

मेकर्स ने आगे बताया कि फिल्म अगल साल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी और ये हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म रूह का निर्देशन मयंक शर्मा कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है।

आवारापन 2 की बात करें तो इस फिल्म इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी लीड एक्ट्रेस को तौर पर नजर आएंगी। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इमरान को आखिरी बार फिल्म हक में देखा गया था।

तुम्बाड 2 की रिलीज डेट आउट, करना होगा लंबा इंतजार

फिल्ममेकर सोहम शाह की आगामी मैथोलॉजिकल हॉरर-थ्रिलर फिल्म तुम्बाड का सीक्वल यानी तुम्बाड 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही इसकी जानकारी दी थी और मुहूर्त शॉट की कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें शेयर की थी। अब, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है।

सोहम शाह की हॉरर फिल्म तुम्बाड 2018 में एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे डरावनी और अनोखे ढंग से बनी हॉरर फिल्मों में से एक माना जाता है. इसकी जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सोहम शाह ने आधिकारिक तौर पर तुम्बाड 2 की रिलीज़ डेट का एलान किया है। बता दें कि तुम्बाड.2 2026 में सिनेमाघरों में नहीं आएगी। इसे 2027 में रिलीज किया जाएगा।

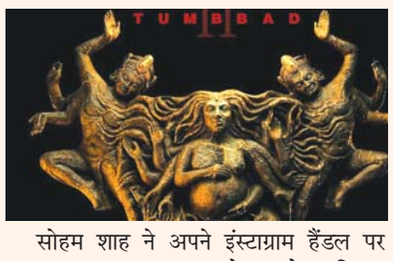

सोहम शाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तुम्बाड 2 का एक नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी बताई गई है। मेकर्स ने इस हॉरर फिल्म की ग्रैंड रिलीज के लिए 3 दिसंबर, 2027 की तारीख तय की है। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक गुनाहों भरा अतीत, एक मनहूस भविष्य। भूख बढ़ रही है, लालच की विरासत जारी है। इसी महीने की शुरुआती हफ्ते में मेकर्स ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया था और फैंस को गुड न्यूज़ देते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। मोशनल पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद और कृतज्ञता के साथ, तुम्बाड 2 का सफर शुरू होता है। तुम्बाड 2 के साथ, मेकर्स इसकी कहानी का दायरा को और बड़ा करने की सोच रहे हैं, लेकिन वे फिल्म के ओरिजिनल अंदाज को भी जोड़े रखना चाहते है, जिसने पहली हॉरर फिल्म को सबसे अलग और देखने लायक बनाया था। रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड 2 में सोहम शाह के साथ मुख्य भूमिका में नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे। आदेश प्रसाद, जो तुम्बाड के सह-निर्देशक थे, इस सीक्वल का निर्देशन कर रहे हैं। सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 3 दिसंबर को 2027 में सिनेमाघरों में दर्शकों को एंटरटेन करने उतरेगी।

दिनभर कॉफी पीने की आदत आपकी रात की नींद को कर सकती है प्रभावित, जानिए कैसे

सुबह के समय कई लोग एक कप कॉफी पी कर दिन शुरू करते हैं। यह न केवल आपको ऊर्जा देती है, बल्कि दिनभर ताजगी भी महसूस कराती है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि आपकी कॉफी पीने की आदत रात की नींद पर असर डाल सकती है? जी हां, अगर आप बहुत जल्दी या ज्यादा कॉफी पीते हैं तो इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है। आइए जानते हैं कि कॉफी का सेवन कैसे आपकी नींद को प्रभावित करता है।

कैफीन का समय

कैफीन का समय बहुत अहम होता है। अगर आप शाम या सुबह को कैफीन का सेवन करते हैं तो यह आपकी नींद को प्रभावित कर सकता है।

कैफीन शरीर में काफी देर तक रहती है और इसे पूरी तरह से निकलने में समय लगता है। इसलिए, बेहतर होगा कि आप शाम 4 बजे के बाद कैफीन युक्त चीजों का सेवन न करें।

इससे आपकी नींद पर कोई असर नहीं पड़ेगा और आप आराम से सो सकेंगे।

मात्रा पर ध्यान दें

कॉफी की मात्रा भी बहुत जरूरी होती है। ज्यादा कॉफी पीने से न केवल आपकी नींद खराब हो सकती है, बल्कि इससे सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

दिनभर में 2-3 कप कॉफी पीना ही पर्याप्त होता है। इससे आपको ऊर्जा मिलेगी और नींद पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। ज्यादा कॉफी पीने से सिरदर्द, बेचैनी और नींद न आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं, इसलिए इसकी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है।

खाली पेट कॉफी न पिएं

खाली पेट कॉफी पीना भी गलत है, क्योंकि इससे पेट पर दबाव पड़ता है और पाचन तंत्र प्रभावित होता है। इसके अलावा खाली पेट कॉफी पीने से एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे नींद में खलल पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप सुबह उठते ही सबसे पहले थोड़ा पानी पिएं, फिर नाश्ता करें और उसके बाद ही कॉफी का सेवन करें।

इससे आपका पाचन तंत्र सही रहेगा और आपको अच्छी नींद मिलेगी।

सोने से पहले कॉफी न पिएं

सोने से पहले कॉफी पीना भी गलत आदत है, क्योंकि इससे आपकी नींद खराब हो सकती है। कैफीन शरीर में काफी देर तक रहती है और इसे पूरी तरह से निकलने में समय लगता है।

इसलिए, सोने से पहले कॉफी पीने से बचें, ताकि आपकी नींद पूरी हो सके। इस तरह आप इन सरल तरीकों का पालन करके अपनी सुबह की कॉफी आदत को सुधार सकते हैं और रात की अच्छी नींद पा सकते हैं।

क्या आपको निर्णय लेते समय महसूस होता है तनाव? इन संकेतों से चलेगा पता

हम रोजमर्रा के जीवन में कई छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है या कौन-सा शो देखना है। इन फैसलों का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। अगर आपको लगता है कि आप लगातार छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस कर रहे हैं तो यह संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। आइए इसके 5 संकेत जानते हैं।

लगातार फैसले लेने में थकान होना

अगर आप रोजाना कई छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस करते हैं तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप रोजाना यह सोचते हैं कि आज क्या पहनना है या क्या खाना है और इससे आपको मानसिक रूप से परेशानी होती है तो यह दिखाता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसी स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।

छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोच-विचार करना

अगर आप छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोचते रहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। जैसे कि क्या खाना है या कौन-सा कपड़ा पहनना है, इन मामलों में ज्यादा सोचने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है। इससे आपका मूड भी प्रभावित होता है और आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप कुछ फैसले पहले ही तय कर लें, ताकि आपको बार-बार सोचना न पड़े।

मूड में उतार-चढ़ाव आना

अगर आपका मूड बार-बार बदलता रहता है और आप खुद को उदास या चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते हैं या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद को थोड़ा समय देना जरूरी है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

ज्यादा चिंता होना

अगर आप अक्सर बहुत ज्यादा चिंता करते रहते हैं, खासकर छोटे-छोटे मामलों को लेकर तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट है। ज्यादा चिंता करने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है और आप खुद को बहुत थका हुआ महसूस कर सकते हैं। इस स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

खुद पर शक करना

अगर आप अक्सर अपने फैसलों पर शक करते रहते हैं और खुद को गलत ठहराते रहते हैं तो यह भी एक जरूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद पर शक करना बंद करें और अपने फैसलों पर विश्वास रखें, ताकि आपकी मानसिक ऊर्जा फिर से प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान को मिल रही व्यापक जनभागीदारी

वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत बालोद जिले में 2.85 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान प्रदेशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है। अभियान के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं हरित विकास के कार्यों को व्यापक गति मिली है।

इसी क्रम में बालोद जिले में जिला प्रशासन द्वारा सभी ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, स्व-सहायता समूहों तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण के विविध कार्य किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य जहाँ वर्षा हो, जब वर्षा हो - वहीं वर्षा जल का संचयन हो की अवधारणा को व्यवहार में उतारना है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय भवन में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सतही वर्षा जल संचयन के लिए रिचार्ज शाफ्ट, डबरी, तालाब एवं ट्रेंच का निर्माण किया गया है। साथ ही हैंडपंपों एवं प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढों तथा वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भू-जल संवर्धन के लिए रिचार्ज पिट, इंजेक्शन वेल, निष्क्रिय बोरवेलों का रिचार्ज, तालाबों का जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण, चेकडैम, वाटर एब्जॉर्बिंग ट्रेंच सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण एवं पुनर्जीवन किया गया है। जिले में वीबीजी-रामजी (मनरेगा), वन विभाग, जिला खनिज न्यास (डीएमएफ), विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं तथा जनभागीदारी के माध्यम से अब तक 2.85 लाख जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है, जिनसे लगभग 19.23 लाख घनमीटर अतिरिक्त जल संचयन क्षमता विकसित हुई है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि, भूमि की नमी का संरक्षण, खरीफएवं रबी दोनों फसलों के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

अभियान की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनभागीदारी है। जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम विकास समितियों, महिला कमांडो, ग्रीन आर्मी तथा स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से तालाबों एवं जलाशयों की स्वच्छता, घर-घर जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण के प्रति जनजागरूकता तथा व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं सीड बॉल अभियान संचालित किया जा रहा है। जुलाई माह में अब तक 3 लाख से अधिक सीड बॉल का रोपण किया जा चुका है तथा 2 लाख पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राज्य शासन द्वारा वीबी- जी राम जी योजना के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, हरित विकास एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। 'जल संरक्षण - जन सहभागिता से जल समृद्धि की ओर' की भावना के साथ जिला प्रशासन बालोद जल-सुरक्षित, हरित एवं समृद्ध ग्रामीण विकास के लक्ष्य की दिशा में सतत कार्य कर रहा है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मंत्री राजेश ने नवीन विधानसभा परिसर में लगाया पौधा

नवा रायपुर को पीपल फॉर पीपल सिटी बनाने सामूहिक संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आज नवा रायपुर अटल नगर स्थित नवीन छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी भी है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान प्रत्येक नागरिक को अपनी माँ के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जागृत करने का प्रेरक अभियान है। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना केवल एक परंपरा निभाना नहीं, बल्कि हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का दायित्व निभाए, तो यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप लेकर प्रदेश को और अधिक हराभरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नवा रायपुर को ष्पीपल फॉर पीपल सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से एक लाख पीपल के पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी अभियान चलाया जा रहा है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जैव विविधता के संवर्धन, स्वच्छ वायु, जलवायु संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजेश अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। वे हमें शुद्ध वायु, छाया, वर्षा, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन प्रदान करते हैं। इसलिए पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने का संकल्प ले।

आयुष्मान भारत और वय वंदना अभियान से घर-घर जुड़ रहे हितग्राही

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में पात्र नागरिकों तक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत विशेष डोर-टू-डोर अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बना रही हैं तथा 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का ई-केवाईसी कर आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी तैयार किया जा रहा है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग, मितानिन, एएनएम, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य मित्रों की संयुक्त टीमें लगातार घर-घर पहुंचकर पंजीयन का कार्य कर रही हैं। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संस्थानों तक आने की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए उनके घर पहुंचकर ही ई-केवाईसी एवं कार्ड निर्माण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले में राशन कार्ड डाटा के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के तहत कुल 8,02,384 पात्र हितग्राही चिन्हित हैं। इनमें से अब तक 7,41,792 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। शेष पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कार्य भी तेजी से जारी है।

धान के कटोरे में महकने लगी औषधियों की खुशबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ (धान के कटोरे) में अब पारंपरिक धान के साथ-साथ औषधीय गुणों और सुगंध से भरपूर चावल की विलुप्त होती प्रजातियों की खेती को पुनर्जीवित किया जा रहा है। औषधियों की मनमोहक खुशबू अक्सर प्राकृतिक वातावरण, हर्बल गार्डन या सुगंधित पौधों के कारण वातावरण में फैलती है। यह सुगंध न केवल हवा को महकाती है, बल्कि तनाव दूर कर मानसिक शांति भी प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ की उपजाऊ धरती अब सिर्फ धान की खुशबू से ही नहीं, बल्कि औषधीय और सुगंधित पौधों की महक से भी सराबोर हो रही है। पारंपरिक खेती की सीमाओं को तोड़कर राज्य के किसान अब उन्नति की एक नई इबारत लिख रहे हैं। वन विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की एक अनोखी पहल ने वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। पिछले दो वित्तीय वर्षों (2024-25 और 2025-26) में बोर्ड द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत राज्य के 12,041 किसानों को सीधे तौर पर प्रशिक्षण और व्यावहारिक ज्ञान (एक्सपोजर विजिट) देकर आत्मनिर्भरता की राह दिखाई गई है। इस अभियान की सफलता और भविष्य के रोडमैप पर विचार साझा करते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरा प्राकृतिक रूप से औषधीय संपदा से समृद्ध है। हमारा मुख्य ध्येय हमारे अन्नदाताओं को पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती से न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी हर्बल स्टेट के रूप में मजबूती से स्थापित करना है। औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम एवं उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला के मार्गदर्शन में किसानों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि व्यावहारिक तौर पर सुदृढ़ किया गया है।

धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और कोरिया जिलों के किसानों को वैज्ञानिक खेती के गुर सिखाए गए। इसमें मिट्टी की जांच से लेकर खेत की तैयारी, रोपाई, जैविक खाद का प्रयोग, फसल कटाई और कटाई के बाद मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, लैब टेस्टिंग और मार्केटिंग की बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। देखकर सीखना सबसे असरदार होता है। इसी सोच के साथ 11 जिलों के किसानों को सफल औषधीय फार्मों का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने लाइव खेती देखी और सफल कृषकों से सीधे संवाद किया। धमतरी जिले की महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती दुलारी बाई निषाद इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों को मिल रही सुरक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के विकासखंड भैयाथान स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगौटी में जागरूकता शिविर आयोजित कर छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई।

आयोजित शिविर में विशेषज्ञों ने छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपाय बताए। साथ ही बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग की जानकारी दी गई।

शिविर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों के साथ घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता तथा महिला सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 181, आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना तथा सखी वन स्टॉप सेंटर जैसी महिला एवं बालिका हितैषी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र हितग्राहियों को इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

बाल संरक्षण अधिकारियों ने बाल विवाह के दुष्परिणाम, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों तथा यातायात सुरक्षा नियमों पर भी विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने छात्राओं से किसी भी प्रकार की आपात स्थिति या शोषण की आशंका होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करने की अपील की।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र की टीम ने किया मूल्यांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र, जबलपुर (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) की विशेषज्ञ टीम ने बीते 9 एवं 10 जुलाई को दो दिवसीय रायगढ़ जिले का दौरा कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के क्रियान्वयन और उसके प्रभाव का व्यापक मूल्यांकन किया।

इस दौरान टीम ने जिले के ग्राम गोपालपुर, भगोरा, पाली, बायंग, नवरंगपुर एवं धनागर पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद स्थापित किया और मिट्टी परीक्षण कार्ड की वर्तमान स्थिति तथा उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी प्राप्त की।

उप संचालक कृषि ने बताया कि दौरे के दौरान विशेषज्ञ दल ने किसानों से चर्चा कर यह जाना कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से प्राप्त जानकारी का उपयोग वे अपनी खेती में किस प्रकार कर रहे हैं तथा इससे उत्पादन लागत एवं फसल उत्पादन पर क्या प्रभाव पड़ा है।

टीम ने किसानों को मृदा परीक्षण में शामिल प्रमुख पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश सहित अन्य सूक्ष्म एवं आवश्यक पोषक तत्वों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अध्ययन दल ने बताया कि मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का संतुलित उपयोग न केवल खेती की लागत को कम करता है बल्कि भूमि की उर्वरता को बनाए रखने और फसल उत्पादन बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही उर्वरकों और पोषक तत्वों का उपयोग करने की सलाह दी गई, जिससे वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिल सके। रायगढ़ जिले के किसानों की कृषि भूमि के मिट्टी परीक्षण की सुविधा के लिए पटेलपाली स्थित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला संचालित की जा रही है, जहां किसानों की भूमि के नमूनों का परीक्षण कर उन्हें मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया जाता है। इस पहल से जिले के किसान वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। निरीक्षण दल में अनुसंधान अधिकारी डॉ. राजेन्द्र सिंह बरेलिया, डॉ. प्रेम रतन पाण्डेय एवं अखिलेश कुरील शामिल थे। वहीं इस अध्ययन एवं निरीक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में कृषि विभाग के अभिषेक पटेल एवं संजय सिदार सहित अन्य अधिकारियों और मैदानी अमले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ग्राम स्तर पर भी कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। ग्राम गोपालपुर में रंजीता पैंकरा, ग्राम भगोरा में सुशील चौरसिया, ग्राम पाली में श्रीमती जमीमा एक्का, ग्राम बायंग में विकास साहू, ग्राम नवरंगपुर में दयाशंकर नायक तथा ग्राम धनागर में योगेश्वरी पटेल ने किसानों और अध्ययन दल के बीच समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

शिक्षा गुणवत्ता में रायगढ़ का ऐतिहासिक कीर्तिमान

रायपुर। परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई 2.0) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित विद्यालयी शिक्षा के मूल्यांकन की एक वैज्ञानिक प्रणाली है। इसके माध्यम से राज्यों एवं जिलों की शिक्षा व्यवस्था का आकलन विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम, प्रभावी कक्षा संचालन, डिजिटल शिक्षा, विद्यालयी अधोसंरचना, शिक्षक उपलब्धता, समावेशी शिक्षा, शैक्षणिक प्रबंधन तथा विभिन्न शैक्षणिक संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इसी पीजीआई 2.0 में रायगढ़ जिले ने पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। रायगढ़ जिले को कुल 600 में 329 अंक प्राप्त हुए हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

वैज्ञानिक खेती और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से अरहर उत्पादन बढ़ाने पर जोर

सीड-कम-फर्टी ड्रिल तकनीक से दलहन उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खरीफ मौसम में दलहन उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य में समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों के खेतों में सीड-कम-फर्टी ड्रिल जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अरहर की वैज्ञानिक बोवाई कराई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य दलहन फसलों का रकबा एवं उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की उत्पादन लागत कम करना और उनकी आय में वृद्धि करना है।

इसी क्रम में सरगुजा जिले के ग्राम सोहगा, बरकेला, खजूरी, कुबेरपुर एवं कुमडेवा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जबलपुर के सहयोग से लगभग 130 एकड़ क्षेत्र में अरहर का समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन स्थापित किया गया है। इस प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि बदलती जलवायु परिस्थितियों एवं सिंचाई जल की सीमित उपलब्धता को देखते हुए अरहर किसानों के लिए लाभकारी एवं टिकाऊ फसल के रूप में उभर रही है।

वैज्ञानिक पद्धति से इसकी खेती करने पर कम पानी में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से किसानों के खेतों में सीड-कम-फर्टी ड्रिल के माध्यम से कतार पद्धति से बोवाई कराई गई। उन्होंने बताया कि सीड-कम-फर्टी ड्रिल तकनीक से बीज एवं उर्वरक का एक साथ संतुलित प्रयोग संभव होता है, जिससे बीज और उर्वरक की बचत होती है, श्रम लागत कम होती है तथा पौधों की समान दूरी बनाए रखने से बेहतर अंकुरण एवं स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित होती है। इसके साथ ही किसानों को खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित शाकनाशी उपलब्ध कराकर प्रारंभिक अवस्था में प्रभावी खरपतवार प्रबंधन पर भी जोर दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को संतुलित उर्वरक प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्वों के समुचित उपयोग तथा अरहर फसल में कीट एवं रोग प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी भी दी गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को समेकित पोषक तत्व प्रबंधन एवं समेकित कीट प्रबंधन अपनाने की सलाह देते हुए समय पर कृषि कार्यों के निष्पादन और वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप खेती करने का आग्रह किया।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई महिला मौके पर मौत

चांपा। नगर के सीताराम गली के समीप रेलवे ट्रैक पार करते समय एक महिला ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आरपीएफकी टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतका की पहचान सावित्री देवांगन (35 वर्ष), पति संतोष कुमार देवांगन, निवासी सीताराम गली चांपा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सावित्री देवांगन भोजपुर स्थित एक निजी संस्था में कार्यरत थीं। सोमवार सुबह वह रोज की तरह अपने घर से काम पर जाने के लिए निकली थीं। इसी दौरान सीताराम गली के पास स्थित रेलवे ट्रैक पार करते समय अचानक वह ट्रेन की चपेट में आ गईं। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

फर्जी लोन फिर ठगी, कंपनी की कर्मचारी को भेजा जेल

कोरबा। शहर में दफ्तर खोलकर फर्जी लोन दिलाने के नाम पर महिलाओं से लाखों की ठगी के मामले में पुलिस ने कंपनी की महिला कर्मी प्रियंका कलसे (22) निवासी दर्री को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट पेश करने पर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। सीएसईबी चौकी प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि ट्रांसपोर्टनगर में अभिवृद्धि फाइनेंशियल सर्विसेस के नाम से दफ्तर खोला था। कम ब्याज पर आसान लोन का झांसा देकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं से प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ठगी की गई। लाखों रुपए समेटने के बाद कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी दफ्तर बंद कर फरार हो गए थे।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसली छात्रा, आरपीएफ जवानों ने बचाई जान

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह चलती हसदेव एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश के दौरान एक कॉलेज छात्रा का पैर फिसल गया। वह ट्रेन के पहिये के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के दो जवानों ने तुरंत खींचकर उसकी जान बचा ली। घटना सुबह करीब 6:30 बजे की है। कोरबा से रायपुर जाने वाली हसदेव एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म से रवाना हो रही थी। इसी दौरान छात्रा ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पैर फिसलने से वह गेट पर लटक गई और पहिये के पास पहुंच गई। स्टेशन पर ड्यूटी कर रहे आरपीएफके हेड कांस्टेबल सुमीत श्रीवास्तव और एचसी ए.के. साहू ने घटना देखी। दोनों जवान तुरंत दौड़े और छात्रा को खींचकर सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर ले आए। उनकी तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद लोको पायलट को सूचना देकर ट्रेन रोकी गई। पूछताछ में पता चला कि छात्रा कोरबा की रहने वाली है और रायपुर में पढ़ाई करती है। समझाइश देने के बाद उसे उसी ट्रेन में सुरक्षित रवाना किया गया।

रायगढ़ में घर के अंदर मिली बुजुर्ग दंपती की लाश, खेती करने गांव आए थे पति-पत्नी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में घर के अंदर बुजुर्ग दंपती की संदिग्ध हालत में लाश मिली है। हत्या कर पति-पत्नी के शव को जलाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, घरघोड़ा के औरामुड़ा गांव निवासी मंगलूराम राठिया (65) अपनी पत्नी पुनई बाई राठिया के साथ धान की फसल की खेती के लिए क्रोंधा गांव आए थे। मंगलवार रात दोनों अपने घर में मौजूद थे। इसी दौरान देर रात यह वारदात हुई है।

फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड ने संभाला मोर्चा

बुधवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के साथ फॉरेंसिक विशेषज्ञ और डॉग स्क्वॉड की टीम भी मौके पर पहुंची। घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि, पहली नजर में मामला संदिग्ध लग रहा है और हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी संभावना की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा।

गृह विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 1 जुलाई 2024 से 30 जून 2026 तक रायपुर में सबसे ज्यादा 169 हत्याएं हुई। इसके बाद जशपुर और रायगढ़ में 114-114, जबकि दुर्ग और सरगुजा में 113-113 हत्या के मामले दर्ज हुए। बिलासपुर में 109 लोगों की हत्या हुई है।

स्कूल के बच्चों को रोककर मारपीट करते थे, दुर्ग में 2 युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के खुर्सीपार इलाके में स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को रोककर उनसे मारपीट करने, गाली-गलौज करने और शराब पीने के लिए पैसे मांगने वाले 2 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि दो नाबालिग लड़कों को अभिरक्षा में लिया गया है। उनके पास से दो बाइक और एक लकड़ी का हॉकी स्टिक भी जब्त हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पूरा मामला थाना खुर्सीपार क्षेत्र का है। 13 जुलाई की रात करीब 8:40 बजे खुर्सीपार निवासी मोहम्मद शब्बीर ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि इलाके के कुछ युवक स्कूल आने-जाने वाले छात्रों को रास्ते में रोकते हैं।

उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज करते हैं। इसके बाद शराब पीने के लिए पैसों की मांग करते हैं। अगर कोई छात्र पैसे देने से मना करता है तो उसे डराया-धमकाया जाता है और उसके साथ मारपीट की जाती है।

पुलिस ने जांच शुरू की तो पकड़े गए आरोपी

शिकायत मिलने के बाद खुर्सीपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने अगले ही दिन स्कूल समय में घटना स्थल और आसपास के इलाके में जांच की। इस दौरान शिकायतकर्ता और पीड़ित छात्रों से आरोपियों की पहचान कराई गई। जांच के दौरान युवराज साहू और शेखर गुप्ता की पहचान सामने आई। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 19 वर्षीय युवराज साहू निवासी डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर, खुर्सीपार और 21 वर्षीय शेखर गुप्ता निवासी एचसीएल कॉलोनी, तेलहा नाला के पास, नंबर-04, खुर्सीपार के रूप में हुई है।

इसके बाद 14 जुलाई को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले में शामिल दो नाबालिग लड़कों के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत अलग से कार्रवाई की गई है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को सुनसान जगह पर रोकते थे। वहां उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट कर शराब पीने के लिए पैसे मांगते थे। जो छात्र विरोध करता था या पैसे देने से मना करता था, उसे धमकाकर डराने की कोशिश की जाती थी। इस वजह से कई छात्र डरे हुए थे और स्कूल आने-जाने में भी डर महसूस कर रहे थे।

मोटरसाइकिल और हॉकी स्टिक को किया जब्त

यह घटना मदनी मस्जिद के पास, मदरसा जोन-02, खुर्सीपार क्षेत्र की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो बाइक और एक लकड़ी का हॉकी स्टिक भी जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल छात्रों को डराने के लिए किए जाने की आशंका है।

टोनही के शक में जेठ ने विधवा बहू की हत्या, डंडे से पीट-पीटकर मार डाला

जशपुर। जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र के डूंगरजोर गांव में जादू-टोना (टोनही) के संदेह में जेठ ने विधवा बहू की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि सोमवार सुबह डूंगरजोर निवासी सुखसिंह राठौर अपनी पड़ोसी और रिश्ते में विधवा बहू नवीना राठौर के घर पहुंचा। उसने नवीना पर जादू-टोना कर अपने परिवार के लोगों की मौत का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।

विवाद बढ़ने पर सुखसिंह राठौर ने पास में पड़ा डंडा उठाकर नवीना पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से नवीना राठौर की मौके पर ही मौत हो गई।। घटना की सूचना मिलने के बाद पत्थलगांव पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वारदात के बाद घर में छिपे आरोपी सुखसिंह राठौर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीणों के अनुसार, कुछ समय पहले आरोपी की मां, भाई और नाती की बीमारी से मौत हो गई थी। आरोपी इन मौतों के लिए नवीना राठौर को जिम्मेदार मानता था और उस पर जादू-टोना करने का आरोप लगाकर अक्सर विवाद करता था।

एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पूजा-पाठ और ताबीज का झांसा देकर महिला से अश्लील हरकत, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। अर्जुनी थाना क्षेत्र में पूजा-पाठ और ताबीज पहनाने का झांसा देकर महिला से अश्लील हरकत करने के आरोप में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस ने महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने पूजा-पाठ के बहाने उसे कमरे में अकेले बुलाया और उसके साथ अशोभनीय हरकत करते हुए अस्मिता भंग करने का प्रयास किया। महिला के विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। शिकायत मिलने के बाद अर्जुनी थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 83/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुर्गेश्वर प्रसाद चौरे उर्फ मोची गब्बर (30 वर्ष), निवासी ग्राम देमार, थाना अर्जुनी, जिला धमतरी के रूप में हुई है। धमतरी पुलिस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिलाओं से संबंधित अपराधों में दोषियों के खिलाफआगे भी सख्त और त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रियदर्शिनी परिसर में बोरिंग का केबल चोरी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के सुपेला थाना क्षेत्र स्थित प्रियदर्शिनी परिसर में बोरिंग का बिजली केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। बदमाश बाइक से चोरी करने पहुंचे थे। एक बाइक पर तीन चोर आए और परिसर से चोरी कर आसानी से चले गए। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ सुपेला थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के मुताबिक ब्लॉक नंबर-3, प्लॉट नंबर-3, प्रियदर्शिनी परिसर (पूर्व), थाना सुपेला निवासी नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि 14 जुलाई को उनके परिसर में लगी बोरिंग का बिजली केबल किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। घटना की जानकारी तब हुई, जब बोरिंग चालू करने की कोशिश की गई। जांच करने पर पता चला कि बोरिंग का पूरा बिजली केबल गायब है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई पूरी वारदात

शहर के बीच हुई चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी में एक बाइक में तीन चोर आते हुए और परिसर में प्रवेश कर चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि केबल चोरी होने के कारण बोरिंग पूरी तरह बंद हो गई है।

घटना के बाद नीरज कुमार मिश्रा ने सुपेला थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। उन्होंने पुलिस से अज्ञात आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू करने की मांग की है।

शिकायत के साथ पीड़ित ने बोरिंग और बिजली केबल से जुड़े फोटो व अन्य जरूरी दस्तावेज भी उपलब्ध कराने की बात कही है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

अंबिकापुर बाल संप्रेक्षण गृह से 13 अपचारी बालक फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से एक बार फिर 13 अपचारी बालक फरार हो गए हैं। लगातार दूसरी बार हुई इस घटना से संप्रेक्षण गृह प्रबंधन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फरार बालकों की तलाश के लिए सर्च अभियान शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अपचारी बालकों ने संप्रेक्षण गृह के पुराने दरवाजे को तोड़कर भागने की योजना बनाई।

देर रात सभी 13 बालक सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए परिसर से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही संप्रेक्षण गृह प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद गांधीनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फरार अपचारी बालकों की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में सघन सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब अंबिकापुर के इसी बाल संप्रेक्षण गृह से अपचारी बालक फरार हुए हैं। इससे पहले 23 जून को भी 13 अपचारी बालक यहां से भाग निकले थे। उस मामले में पुलिस ने अधिकांश बालकों को पकड़ लिया था, लेकिन दो अपचारी अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

लगातार दूसरी बार हुई इस घटना ने बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुराने दरवाजे को तोड़कर एक साथ 13 अपचारी बालकों का फरार होना सुरक्षा इंतजामों की बड़ी चूक माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस फरार बालकों की तलाश में जुटी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

भिलाई से बाइक चुराकर रायगढ़ में छिपा था आरोपी, पुलिस ने दबोचा

रायपुर-बिलासपुर से भी 2 बाइक चोरी करना कबूला; तीनों वाहन बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले की जामुल पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक अंतरजिला वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को रायगढ़ जिले से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने भिलाई, रायपुर और बिलासपुर से तीन बाइक चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर तीनों बाइक बरामद कर ली हैं। जब्त किए गए वाहनों की कुल कीमत करीब 1.60 लाख रुपए बताई गई है।

मामला जामुल थाना क्षेत्र के कैलाश नगर का है। युगल पटेल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि, 1 जून 2026 को उसका भाई कुणाल पटेल अपनी बाइक से सामान खरीदने कैलाश नगर गया था। खरीदारी के बाद जब वह वापस लौटा तो वहां खड़ी बाइक गायब थी। काफी तलाश के बाद भी बाइक नहीं मिली, जिसके बाद जामुल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

रायगढ़ में मिला आरोपी का लोकेशन

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान की। इसके बाद टीम ने रायगढ़ जिले के चक्रधर नगर क्षेत्र से आनंदी मंडल को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी ने कैलाश नगर से यामाहा आर-15 चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही उसने करीब दो साल पहले बिलासपुर से एक होंडा साइन और 20 से 25 दिन पहले रायपुर क्षेत्र से एक केटीएम बाइक चोरी करने की बात भी बताई।

आरोपी की निशानदेही पर तीनों बाइक बरामद

पुलिस आरोपी की निशानदेही पर तीनों बाइक बरामद करने में सफल रही। इनमें यामाहा आर-15, होंडा साइन और बिना नंबर की केटीएम बाइक शामिल है। तीनों वाहनों की कुल अनुमानित कीमत 1.60 लाख रुपए आंकी गई है।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर खड़ी बाइकों पर नजर रखता था। मौका मिलते ही वह बाइक चोरी कर लेता था। चोरी के बाद वह वाहनों को दूसरे जिले में ले जाकर छिपा देता था, ताकि पुलिस आसानी से उसका पता न लगा सके।

ओडिशा का रहने वाला है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 वर्षीय आनंदी मंडल के रूप में हुई है। वह मूल रूप से ओडिशा के संबलपुर जिले का रहने वाला है। फिलहाल वह छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सरिया थाना क्षेत्र के दर्राभाठा रिसोड़ा गांव में रह रहा था।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बाद न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने इसके अलावा अन्य जिलों में भी वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

छत्तीसगढ़ शासन

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

1076

एकीकृत हेल्पलाइन
एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली

एक फोन कॉल पर
नागरिकों की समस्याओं का
त्वरित निराकरण

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

RO-48382/4

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950